रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन संवितरण), मेरठ छावनी

संदेश

तरुण कुमार जाजोरिया, भा.र.ले.से.

प्रिय साथियो,

पेंशन संवितरण संगठन देश की सीमा के रखवालों एवं उनके परिवार के सदस्यों को पेंशन संवितरण सेवाएं प्रदान करता है। आज मुझे ऐसे संगठन की कमान संभालने पर अपार हर्ष व गौरव का अनुभव हो रहा है।

यह संगठन अत्यधिक महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है, इसलिए हमारा उत्तरदायित्व भी अधिक हो जाता है। हम विशेषत: ऐसे आयु वर्ग को अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं, जो देश के वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिक हैं। अत: हमारा यह दायित्व है कि हम उनकी पेंशन का संवितरण समय से करें। ऐसा करने के लिए सबसे पहले हमें समय-पालन (उपस्थिति) एवं नियमितता को सुनिश्चित करना होगा। जैसा कि आपको ज्ञात है भविष्य में उपस्थिति एवं नियमितता को वेतन से संबंद्य (Relate) करने की योजना भी है। हमें कार्यालय में भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण तैयार करना होगा। यह स्पष्ट होना चाहिए कि किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को कदाचित सहन नहीं किया जाएगा। स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण में किसी भी कार्य की सफलता छिपी होती है, इसलिए हमें कार्यालय में स्वच्छता बनाये रखने पर भी ध्यान देना होगा।

हमारी सेवाएं एक विशेष आयु वर्ग से संबंधित हैं, इसलिए हमें अपने व्यवहार पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि किसी भी पेंशनर को कोई शिकायत न हो, किंतु यदि शिकायत आती है, तो उसका अविलंब निस्तारण किया जाना सुनिश्चित होना चाहिए। मेरी आपसे आशा है कि आप इस संगठन को शिकायत-मुक्त बनाएंगे और ऐसा तभी संभव होगा, जब आप अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति पूर्ण सजग रहेंगे। जनसाधारण के लिए कार्य करते हुए यदि हम जनसाधारण की ही भाषा अपनाएं, जो कि हिंदी है, तो हम अपने पेंशनरों से एक अच्छे सेवा प्रदाता का संबंध बना सकेंगे तथा उन्हें अधिक संतुष्टि तथा प्रसन्नता प्रदान कर पाएंगे।

मैं विश्वास करता हूं कि आप पेंशन संवितरण पर भारत सरकार द्वारा जारी आदेशों तथा अनुदेशों को, दी गयी समय-सीमा के भीतर लागू करते हुए, बिना किसी पक्षपात के, न्यायपूर्ण तरीके व संपूर्ण ईमानदारी से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेंगे। रक्षा लेखा विभाग की 250 वर्ष से भी अधिक पुरानी गौरवमयी परम्परा का ध्यान रखते हुए पेंशन संवितरण संगठन की कार्य-प्रणाली को हमें और अधिक सशक्त एवं प्रभावशाली बनाना है, जिससे विभाग की गरिमा एवं सम्मान बढ़ेगा।

धन्यवाद।

----जयहिंद----

मेरठ छावनी
दिनांक- 19.04.2017